

बाबा मुक्तानन्द की एक सिखावनी

मुक्तेश्वरी, सूक्ति ४८०

जो ऋषि, मुनि, यति, सिद्धों ने गाया,
उस महामन्त्र 'ॐ नमः शिवाय' को हमेशा जप।
मुक्तानन्द! कलियुग में परम पावन यह पंचाक्षरी मन्त्र है।

~बाबा मुक्तानन्द



© २०२३ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

स्वामी मुक्तानन्द, मुक्तेश्वरी [चित्शक्ति पब्लिकेशन्स, २०१४], पृ. १३८।
'मुक्तेश्वरी' पुस्तक सिद्धयोग बुकस्टोर में उपलब्ध है।